

● सुनो, समझो और पढ़ो :

६. चंदा मामा की जय

- मंगल सक्सेना

जन्म : १९३६, बीकानेर (राजस्थान) मृत्यु : जुलाई २०१६ रचनाएँ : 'मैं तुम्हारा स्वर' आदि । परिचय : मंगल सक्सेना जी कवि, नाट्यनिर्देशक, राजस्थान साहित्य अकादमी के सचिव के रूप में प्रसिद्ध थे । आपने हिंदी साहित्य निर्मिति में अच्छा योगदान दिया है । प्रस्तुत एकांकी में लेखक ने शांति-प्रियता, बड़ों का आदर, छोटों से प्यार, बुरी आदतों को त्यागने के लिए प्रोत्साहित किया है ।



जरा सोचो चर्चा करो

यदि तुम्हारा घर मंगल ग्रह पर होता तो

पात्र

सुनील-आयु ८ वर्ष, अनिल-आयु ५ वर्ष, चार बच्चे-प्रत्येक की आयु ३ से ५ वर्ष,
रातरानी-आयु १३ वर्ष, नींदपरी-आयु ११ वर्ष, चंदा मामा-आयु १४ वर्ष,
दो तारे-आयु प्रत्येक ९ वर्ष, तीन पहरेदार-आयु १०-१२ वर्ष
समय : अर्धरात्रि । स्थान : बादलों के देश में ।

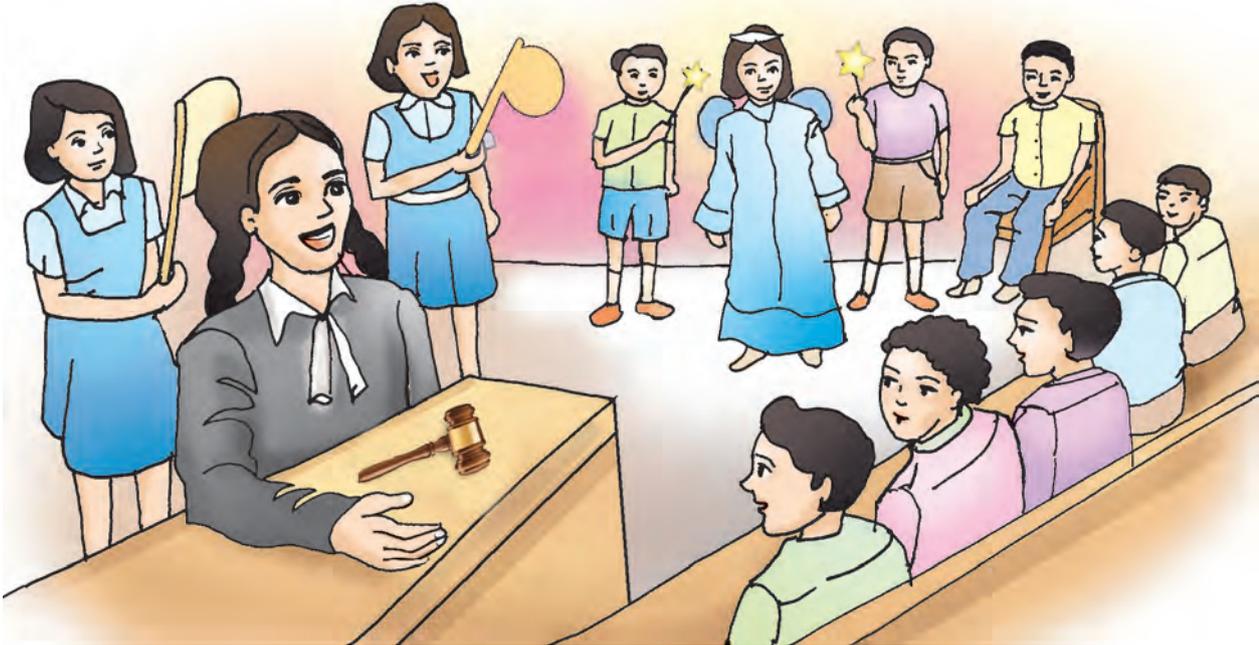
[रातरानी काली पोशाक में बैठी है । सामने टेबल पर हथौड़ी है । पीछे सेविका पंखा झल रही है । नींदपरी के दोनों ओर एक-एक तारा खड़ा है । उनके हाथ में तारे की झंडी है । एक ओर नींदपरी हल्की नीली पोशाक, ढीली-ढाली बाँहोंवाला लंबा चोंगा पहने खड़ी है । वहीं पाँच बच्चे एक ही बेंच पर उनींदे-से बैठे हैं । सबसे छोटा बच्चा ऊँघ रहा है । सुनील अलग कुर्सी पर बैठा है ।]

(पर्दा उठता है ।)

नींदपरी : ये रोने वाले बच्चे हैं, विशेषकर यह अनिल । खड़े हो जाओ । (अनिल खड़ा हो जाता है)

रातरानी : (डाँटकर) तुम क्यों रोते हो ? (अनिल और जोर से रोने लगता है । सभी जोर से रोने लगते हैं ।)

अरे, चुप हो जाओ ! नींदपरी इन्हें किसी तरह चुप कराओ ताकि कार्यवाही चालू की जाए ।



□ एकांकी का मुखर वाचन कराएँ । नाट्यीकरण कराएँ । विद्यार्थी अपनी माँ की कौन-कौन-सी बातें मानते हैं उनसे उनकी सूची बनवाएँ । उन्हें अपनी रुचि का काम बताने के लिए कहें । किसी कार्य की परख करते हुए उसे करने या न करने का निर्णय लेने के लिए प्रेरित करें ।



वाचन जगत से

भारतीय मूल की किसी महिला अंतरिक्ष यात्री संबंधी जानकारी पढ़ो तथा विश्व के अंतरिक्ष यात्रियों के नाम बताओ ।

- नींदपरी : और यह सुनील ... यह घर में चाय की कप-प्लेटें तोड़कर और अपनी माँ से पिटकर सोया था ।
रातरानी : इन्हें अपराध के अनुसार दंड देंगे । (सुनील से) तुम्हें सफाई देनी होगी । समझे, नहीं तो सजा दी जाएगी ।
नींदपरी : यह अपनी माँ का कहना नहीं मानता । खाने के समय खाना नहीं खाता । यह खेलने के समय खेलता नहीं, पढ़ने के समय पढ़ता नहीं, कोई काम समय पर नहीं करता ।
रातरानी : जवाब दो ।
सुनील : (भोलेपन से) अच्छे बच्चे बड़ों को जवाब नहीं देते इसलिए मैं जवाब नहीं दूँगा ।
नींदपरी : यह बड़ों को “तू” कहता है, उनका आदर नहीं करता । दूसरों को पीटता है ।
सुनील : अच्छा, मैंने आपको “तू” कहा क्या ? मैंने आपको पीटा क्या ? यह तो झूठ-मूठ कहती है ।
रातरानी : देखो तुमने इन्हें “कहती है” कहा है, जबकि तुम्हें कहना चाहिए था- “कहती हैं” । (गुस्से से) तुम बड़ों का मजाक उड़ाते हो । हम तुम्हें कड़ी से कड़ी सजा देंगे । (तभी अनिल रो पड़ता है । सब बच्चे चौंककर उधर देखते हैं और सभी गला फाड़कर रो पड़ते हैं ।) क्यों रोते हो ? (चिल्लाकर) चुप रहो, वरना (रातरानी गुस्से से काँपने लगती हैं ।)



- अनिल : सुनील भैया को कड़ी सजा मत दो ! (रोने लगता है । उसके साथ सब रोने लगते हैं ।)
रातरानी : अच्छा-अच्छा... कड़ी सजा नहीं देंगे, चुप तो हो जाओ ! अनिल तुम सबसे अधिक रोते हो । क्यों ?
अनिल : रोने से खाने को लड्डू मिलते हैं । (सब हँस पड़ते हैं ।)
रातरानी : हम तुम्हारी माँ को कहेंगी कि रोने पर तुम्हें डाँटा करें, तुम्हारी बात न माना करें - तब ?
अनिल : तबतब मैं और जोर-जोर से रोऊँगा ।
सुनील : रोने से हमको बताशे मिलते हैं इसलिए हम रोते हैं ।
रातरानी : यह बुरी बात है । हमेशा तुम्हें रोने पर बताशे नहीं मिलेंगे ।
सुनील : (रुआँसा होकर) आप क्षमा करें । मैं अब कभी कोई शैतानी नहीं करूँगा ।

❑ अकड़ना, डाँटना, चौंकना, शरमाना आदि क्रियाओं का विद्यार्थियों से मूक एवं मुखर अभिनय करवाएँ । उनसे इन क्रियाओं का वाक्यों में प्रयोग करवाएँ । एकांकी में आए कारक चिह्न खोजवाकर लिखवाएँ । उनका सार्थक वाक्यों में प्रयोग करने के लिए कहें ।



खोजबीन

इस वर्ष का सूर्यग्रहण कब है ? उस समय पशु-पक्षी के वर्तन-परिवर्तन का निरीक्षण करो और बताओ ।

भूगोल सातवीं कक्षा पृष्ठ ७

- अनिल** : हम कभी नहीं रोएँगे परंतु सुनील भैया को सजा न दी जाए । इन्हें सजा मत दें ।
- रातरानी** : (हथौड़ी पीटकर) शांति-शांति ! शोर मत करो । (इतने में चंदामामा आते हैं ।)
- नींदपरी** : चंदामामा आप ?
- रातरानी** : चंदामामा ! (खड़ी हो जाती है, सब खड़े हो जाते हैं ।)
- सब बच्चे** : (खुशी से तालियाँ पीटकर) चंदा मामा आ गए ... ! चंदा मामा आ गए ... ! चंदा मामा, जयहिंद !
- चंदा मामा** : जयहिंद , मेरे बच्चो, जयहिंद ! (रातरानी से) रातरानी, तुम बच्चों पर अन्याय कर रही हो ।
- रातरानी** : (डरकर) कैसा अन्याय मामा जी ?
- चंदा मामा** : एक व्यक्ति में अगर गुण अधिक हों और बुरी आदतें कम तो उसे क्षमा कर दिया जाता है ।
- रातरानी** : (क्रोध से) नींदपरी , तुमने हमें इनके गुण नहीं बताए, क्यों ?
- चंदा मामा** : यही तो बुरी बात है । किसी की बुराई के साथ-साथ उसकी अच्छाई को भी ढूँढ़ना चाहिए । यह सुनील अपने से छोटे बच्चों को कभी नहीं पीटता, उन्हें प्यार करता है । ये बच्चे अपने से बड़ों का कहना मानते हैं, उन्हें प्यार करते हैं, उनका आदर करते हैं । आपस में भी कभी नहीं झगड़ते ।
- रातरानी** : सचमुच ! इनके ये गुण तो मैं अभी-अभी देख चुकी हूँ ।
- नींदपरी** : रातरानी, ऐसे गुणवाले बच्चों को तो हमारे यहाँ सजा नहीं दी जाती ।
- रातरानी** : अगर ये बच्चे प्रतिज्ञा करें कि ये बुरी आदतें भी छोड़ देंगे तो इन्हें सजा नहीं दी जाएगी ।
- सब बच्चे** : हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हम छोटी-बड़ी सभी बुरी आदतें छोड़ देंगे ।
- रातरानी** : सबको क्षमा किया जाता है । (बच्चे खुशी से 'चंदा मामा की जय,' चंदा मामा की जय-जयकार करने लगते हैं ।)

मैंने समझा



शब्द वाटिका



नए शब्द

सेविका = सेवा करने वाली

कड़ी = कठोर

मजाक = हँसी-ठट्ठा

शैतानी = शरारत

मुहावरा

गला फाड़कर रोना = जोर-जोर-से रोना

स्वयं अध्ययन

सौरमंडल की जानकारी पर लघु टिप्पणी तैयार करो और बताओ ।

ग्रहों का क्रम

उपग्रहों की संख्या

पृथ्वी का परिक्रमा काल



मेरी कलम से

किसी दुकानदार और ग्राहक के बीच होने वाला संवाद लिखो और सुनाओ : जैसे- माँ और सब्जीवाली ।



विचार मंथन

॥ बिन माँगे मोती मिले ॥



सदैव ध्यान में रखो

निवेदन सदैव विनम्र शब्दों में ही करना चाहिए ।

१. किसने, किससे और क्यों कहा है ?
 (क) “हम तुम्हें कड़ी से कड़ी सजा देंगे ।”
 (ख) “सबको क्षमा किया जाता है ।”

२. इस एकांकी का सारांश अपने शब्दों में लिखो ।
 ३. इस एकांकी के पसंदीदा पात्र का वर्णन करो ।
 ४. नैतिक मूल्यों की सूची बनाओ और उनपर अमल करो ।



भाषा की ओर

निम्नलिखित वाक्य पढ़ो और मोटे और में छपे शब्दों पर ध्यान दो :



१. सर्वेश ने परिश्रम किया और इस परिश्रम ने उसे सफल बना दिया ।
 २. मैं कर्ज में डूबा था परंतु मुझे असंतोष न था ।
 ३. प्रगति पत्र पर माता जी अथवा पिता जी के हस्ताक्षर लेकर आओ ।
 ४. मैं लगातार चलता तो मंजिल पा लेता ।
 ५. मुझे सौ-सौ के नोट देने पड़े क्योंकि दुकानदार के पास दो हजार के नोट के छुट्टे नहीं थे ।

उपर्युक्त वाक्यों में और, परंतु, अथवा, तो, क्योंकि शब्द अलग-अलग स्वतंत्र वाक्यों या शब्दों को जोड़ते हैं । ये शब्द समुच्चयबोधक अव्यय हैं ।

१. वाह ! क्या रंग-बिरंगी छटा है ।



३. अरे रे ! पेड़ गिर पड़ा ।

२. अरे ! हम कहाँ आ गए ?

४. छिः! तुम झूठ बोलते हो ।

५. शाबाश ! इसी तरह साफ-सुथरा आया करो ।

उपर्युक्त वाक्यों में वाह, अरे, अरे रे, छिः, शाबाश ये शब्द क्रमशः खुशी, आश्चर्य, दुख, घृणा, प्रशंसा के भाव दिखाते हैं । ये शब्द विस्मयादिबोधक अव्यय हैं ।